वि.भा.वि, हजारीबाग ,

के अंतर्गत C.B.C.S आधारित स्नातकोत्तर भूगोल का पाठ्यक्रम

का सारांश

समसत्र-I GEOG-401-भौगोलिक चिन्तन का इतिहास GEOG-402-भू-आकृतिक विज्ञान GEOG-403-जलवायु विज्ञान GEOG-404-प्रायोगिक पत्र	समसत्र-II GEOG-405-शोध विधितन्त्र GEOG-406-जनसंख्या भूगोल GEOG-407-प्रादेशिक भूगोल: भारत एवम् झारखण्ड GEOG-408- प्रायोगिक पत्र
समसत्र-III GEOG-409-समुद्र विज्ञान (भूगोल विद्यार्थियों के अलावा अन्य विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक पत्र) GEOG-410–अधिवास भूगोल GEOG-411-प्रादेशिक नियोजन और विकास(भारत) GEOG-412- प्रायोगिक पत्र	समसत्र-IV (आदर्श पत्रों के किन्ही तीन वैकल्पिक में एक पत्र का चयन करें) GEOG-413-(पारिस्थितिकी तन्त्र और संसाधन प्रबन्धन; जैव भूगोल; मृदा भूगोल) GEOG-414-(पर्यटन और परिवहन भूगोल; उर्जा भूगोल; सामाजिक भूगोल) GEOG-415-(नगरीय भूगोल और नियोजन; यूरोपीय संघ: मध्यम क्षेत्रीय अध्ययन; राजनीतिक भूगोल) GEOG-416-वैकल्पिक प्रायोगिक

सैद्धान्तिक पत्र में 9 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न दिए जायेंगे । पहला प्रश्न बहुवैकल्पिक या अति लघुउत्तरीय होगा,(जो 2 अंक के होंगे)जो अनिवार्य होगा ।सम्पूर्ण प्रश्नों में से परिक्षार्थी को 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा । जबकि सभी प्रश्नों का मान बराबर होगा ।

समसत्र - 1

पत्र 1

भौगोलिक इतिहास का चिन्तन

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

		सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन		
		लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्तिथि	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कुल अंक	20	5	5	30	70		100
2	उत्तीर्णांक	08	04		12	28		40
3	प्रश्नों की संख्या							09(नौ)
4	प्रश्नों का स्वरूप					प्रश्नों की संख्या	अंकों का वितरण	कुल
	(a)	प्रश्न संख्या 1. अनिवार्य जो की अति लघुउत्तरीय प्रकार के होंगे				07	07x2	14
	(b)	8 दीर्घउत्तरीय प्रश्न में से किन्ही 4 का उत्तर दें				04	04x14	56
		कुल						70

<u>पाठ्यक्रम विषय</u>

इकाई-1 :- भूगोल का क्षेत्र: विज्ञान के वर्गीकरण में भूगोल का स्थान, भूगोल एक सामाजिक विज्ञान और प्राकृतिक विज्ञान के रुप में, भूगोल के चुनिन्दा दार्शनिक संकल्पनाएँ : तार्किक प्रत्यक्षवाद, क्षेत्रीय वैभिन्यता और भू-वैन्यासिक संगठन ।

इकाई-2 :- भूगोल में द्वैतवाद : क्रमबद्ध एवम् प्रादेशिक भूगोल, भौतिक एवम् मानव भूगोल, निश्चयवाद एवम् सम्भववाद । नियम, सिद्धांत एवम नमूना (model), मात्रात्मक क्रांति, व्यवहारवाद, उत्तर-आधुनिकतावाद।

इकाई-3 :- प्रादेशिक भूगोल:, प्रदेश की संकल्पना, प्रादेशीकरण और प्रादेशिक विधियाँ । ऐतिहासिक विकास: प्राचीनकाल, मध्यकाल, एवम् आधुनिककाल के दौरान विभिन्न भूगोलविदों के योगदान ।

इकाई-4 :- २०वी शताब्दी में भूगोल: संकल्पना और विधितंत्रीय विकास, भारत में भूगोल की स्थिति: भूगोल का भविष्य, उग्रसुधावारदी भूगोल, नारीवादी भूगोल, मानव-पर्यावरण सम्बन्ध पर परिवर्तनशील दृष्टिकोण, भूगोल और जन नीति के संदर्भ में भौगोलिक चिन्तन ।

<u>अनुमोदित पुस्तक सूचि:</u>

Sr.	Book Title	Author	Publication
1	Nature of Geography	Hartshorne, R	Rawat Publication, New Delhi
2	Explanation in Geography	Harvey, D	do
3	Evolution of Geographical Thought	Hussain, Majid	do
4	Fundamentals of Geographical Thought	Adhikari, s	Orient Blackswan, New Delhi
5	Modern geographical Thought	Peet, R J	Wiley, ISBN 13; 978-1557863782
6	Geographical Thought A Contextual History of Ideas	Dixit, R d	Prentice Hall India, New Delhi
7	भौगोलिक चिंतन के	श्रीवास्तव, वि के	वसुंधरा प्रकाशन, गोरखपुर

	आधार		
8	भौगोलिक विचार धारायें एवं विधितंत्र	कौशिक एवं रावत	रस्तोगी प्रकाशन, मेरठ
9	भौगोलिक विचार धाराओं का उद्भव एवं विकास	हुसैन, मा	रावत प्रकाशन, नई दिल्ली
10	भूगोल की प्रस्तावना	दीक्षित, एस	वसुंधरा प्रकाशन , गोरखपुर
11	Radical Geography	Peet, R	Rawat Publications, New Delhi

पत्र 2 - भूआकृति विज्ञान

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

			सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन		
			लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्थिति	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कुल अंक		20	5	5	30	70		100
2	उत्तीर्णांक		08	04		12	28		40
3	प्रश्नों की संख्या							09(नौ)	
4	प्रश्नों का स्वरूप						प्रश्नों की संख्या	अंकों का वितरण	कुल
	(a)	प्रश्न संख्या 1. अनिवार्य जो की अति लघुउत्तरीय प्रकार के होंगे					07	07x2	14
	(b)	8 दीर्घउत्तरीय प्रश्न में से किन्ही 4 का उत्तर दें					04	04x14	56
कुल									70

पाठ्यक्रम विषय :-

इकाई 1 :- भूआकृति विज्ञान की प्रकृति एवम् क्षेत्र, मौलिक संकल्पना, भूगर्भीय संरचना एवम् स्थलाकृति, प्रायद्वीपीय भारत का प्रादेशिक भूआकृति, गंगा का मैदान, छोटानागपुर का पठार और पश्चिम तटिय मैदान ।

इकाई 2 :- पृथ्वी की गतियाँ: महादेशजनक बल, पर्वतजनक बल, सैमेटोजेनिक भूबल, भू-संतुलन, प्लेट विवर्तनिकी, भूकम्पीयता, ज्वालामुखीयता, हिमालय के उदभव के संदर्भ में पर्वतजनक संरचना ।

इकाई 3 :- बाह्यप्रक्रम: समतलीकरण की संकल्पना, समतलीकरण के कारक एवम् प्रक्रम, वृहद(सामूहिक) संचलन, अपरदनात्मक और निक्षेपणात्मक प्रक्रियाएँ एवम् परिणामी स्थलरुप । ढाल उद्भव, निम्नीकरण, समानांतर निवर्तन ।

इकाई 4 :- नदीय, हिमनदीय, वायुढ़, सामुद्रिक एवम् कार्स्ट(भूमिगत) के प्रक्रम के परिणामी स्थलाकृतियां, व्यावहारिक भूआकृति विज्ञान, भूआकृतिक मानचित्रण का अनुप्रयोग, पर्यावरणीय भूआकृति विज्ञान, भुआकृतिक आपदाएँ।

अनुमोदित पुस्तक सूचि :-

1	A Textbook of geomorphology	Dyal, P.	Rajesh Publications, Delhi
2	PRINCIPLES of geomorphology	Thornbury, w D	CBS Publishers, New Delhi
3	Principles of Physical geology, third edition	Holmes, A	ELBS Nostrand Reinhold(u k) co Ltd
4	Dynamics of the Earth	Sidhartha, A	Kitab Mahal, New Delhi
5	Physical Geography	Khullar, D R	Kalyani Publishers, New delhi
6	Geomorphology	Singh, savidra	Pravalika publication, allahabad
7	भूअकृतिविज्ञान	शर्मा, जे पी	रस्तोगी प्रकाशन, मेरठ
8	भूआकृति विज्ञानं	सिंह , सविन्द्र	वसुंधरा प्रकाशन
9	भूअकृति विज्ञान	दयाल, प	राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली
10	Introducing Physical Geography	Strahlar, A	Wiley India

11	Geomorphology	Ahmad, E	Kalyani Publishers, New Delhi
12	Physical Geography	Singh, s	Pravalika publication, allahabad
13	Geomorphology	Gautam ,a	Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
14	Introducing Physical Geography	Strahaler, A	Wiley India
15	Fundamentals of Physical Geography	Husain, Majid	rawat Publications, New delhi
16	The Dynamic Earth: An Introduction to Physical Geology	Skinner and Porter	American Museum of Natural History

पत्र 3

जलवायु विज्ञान

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

		सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन			
		लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्तिथि	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण		कुल
1	कुल अंक	20	5	5	30	70			100
2	उत्तीर्णांक	08	04		12	28			40
3	प्रश्नों की संख्या	09(नौ)							
4	प्रश्नों का स्वरूप					प्रश्नों की संख्या	अंकों का वितरण		कुल
	(a)	प्रश्न संख्या 1. अनिवार्य जो की अति लघुउत्तरीय प्रकार के होंगे				07	07x2		14

	(b)	8 दीर्घउत्तरीय प्रश्न में से किन्ही 4 का उत्तर दें	04	04x14	56
कुल					70

<u>पाठ्यक्रम विषय:-</u>

इकाई 1 :- जलवायु विज्ञान के प्रकृति एवम् क्षेत्र एवम जलवायु विज्ञान का मौसम विज्ञान से सम्बन्ध, वायुमंडल का संघटन और संरचना, सूर्यातप, पृथ्वी की उष्मा बजट, हरित गृह प्रभाव, जेट स्ट्रीम(धाराएँ), वायुमंडल में समान्य परिसंचरण ।

इकाई 2 :- उषणकटिबंधीय, समशीतोष्ण और उच्च अक्षांशीय मौसम प्रणाली, वायुमंडलीय विक्षोभ: चक्रवात, उषणकटिबंधीय और समशीतोष्ण कटिबंधीय, स्थाई एवम् अस्थाई वायुमंडल:- पर्यावरणीय पतन दर, शुष्क एवम् आद्र रूद्धोषम (एडियाबेटिक) दर एवम् वायुमंडलीय स्थायित्व, महासागर- वायुमंडल अंत:क्रिया- अल निनो,दक्षिणी दोलन(ENSO) एवम ला निना, मानसूनी हवाएँ, नॉवेर्स्टर।

इकाई 3 :- कोपेन एवम थॉर्नथ्वेत का जलवायु वर्गीकरण,जलवायु परिवर्तन: साक्ष्य, सम्भावित कारक, भूमंडलीय उष्मण, पर्यावरणीय प्रभाव और समाजिक अनुक्रिया, तड़ित, तड़ितझंझा, सूखा का वायुमंडलीय प्रभाव, जलवायु समाघात आकलन(निर्धारण)।

इकाई 4 :- व्यावहारिक जलवायु विज्ञान:- जलवायु,जलविज्ञान, एवम् जल संसाधन: नगरीय जलवायु एवम् नगरीय जलवायु ; वैश्विक पर्यावरण परिवर्तन की प्रकृति, नगरीय ताप द्वीप(U.H.I), वैश्विक पर्यावरणीय परिवर्तन पर नगरीय जलवायु प्रभाव ।

<u>अनुमोदित पुस्तक सूचि</u> :-

1	General Climatology	Critchfield, H J	Pearson Education, India
2	The Atmosphere	Lutgen, Tarbuck and Tasa	PHI Learning Pvt, new Delhi
3	Atmosphere, Weather and Climate	Barry and Chorley	Routledge India
4	Atmosphere, Weather and Climate	Sidharth, k	Kitab Mahal, Delhi

5	जलवायु विज्ञान	लाल, डी एस	शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
6	Climatology	Singh , s	Pravalika Prakashan, allahabad
7	Climatology	Lal, D S	Sharda Pustak Bhavan, Allahabad
8	जलवायु विज्ञान	सिंह,एस	Pravalika Prakashan, allahabad
9	जलवायु विज्ञान एवं समुद्र विज्ञान	गौतम, अलका	रस्तोगी प्रकाशन , मेरठ

पत्र 4 (B) प्रायोगिक पत्र

कुल अंक : 50

(35+15)

समय: तीन घण्टें

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

		सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन		
		लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्तिथि	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कुल अंक	20	5	5	30	70		100
2	उत्तीर्णांक	08	04		12	28		40

उद्देश्य :

क्षेत्रीय सर्वेक्षण(भौतिक रूप से उपस्थित होकर) का मुख्य उद्देश्य है कि एक सहलग्न विस्तृत क्षेत्र का व्यापक रूप से उस क्षेत्र में स्तिथ प्रमुख स्थलाकृतियों, उनका जनन और उनके मानवीय क्रियाकलाप पर प्रभाव, वनस्पति एवम् जंतु के सर्वेक्षण करना (उपलब्ध शिक्षकों के अनुरूप विद्यार्थियों का समूह बनाकर होना चाहिए)

1. सर्वेक्षण किया जाने वाला क्षेत्र के प्रमुख स्वरूप को चिन्हित करना तथा भूपत्रक को देखते हुए उस क्षेत्र के प्रमुख स्थलरुपों को पहचानना ।
2. क्षेत्र में स्तिथ रहते हुए प्रमुख स्थलरुपों को पहचान कर उनके अपरदन, परिवहन एवम् निक्षेपण के कारकों का पता लगाना ।
3. क्षेत्र में स्तिथ वानस्पतिक एवम् जन्तु जैव विविधता को ज्ञात कर वर्गीकरण करना ।
4. पर्यवेक्षण के द्वारा स्थलरुपों से सम्बन्धित भूमि उपयोग, अधिवास संरचना एवम् लोगों के जीवन यापन(शैली) को जानना ।
5. क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान पर्यवेक्षण से प्राप्त विशेषताओं के आधार पर एक प्रतिवेदन बनना है । यह प्रतिवेदन मानचित्र (वैश्विक स्तिथि निर्धारण G.P.S), रेखाचित्र तथा छायाचित्रों से सम्पृक्त हो ।

<u>अनुमोदित पुस्तक सूचि</u> :-

1	Fundamentalsof Practical Geography	Singh, L R	Sharda Pustak bhawan, Allahabad
2	प्रायोगिक भूगोल	शर्मा, जे पी	रस्तोगी प्रकाशन , मेरठ
3	प्रायोगिक भूगोल के मूल सिद्धांत	सिंह, एल आर	शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
4	Eliments of Practical Geography	singh and Singh	Kalyani Publishers, New Delhi
5	प्रयोगात्मक भूगोल की रुपरेखा	चौहान, पी आर और रामसूरत	वशुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर
6	उच्च कार्टोग्राफी	सिन्हा एवं बाला	शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
7	A Practical Geography	Ashis Sarkar	Orient Blackswan Private Limited - New Delhi
8	Advanced Practical Geography	Saha, P	Orient Blackswan Private Limited - New Delhi

पत्र 5- शोध विधितंत्र

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

		सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन		
		लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्थिति	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कुल अंक	20	5	5	30	70		100
2	उत्तीर्णांक	08	04		12	28		40
3	प्रश्नों की संख्या							09(नौ)
4	प्रश्नों का स्वरूप					प्रश्नों की संख्या	अंकों का वितरण	कुल
	(a)	प्रश्न संख्या 1. अनिवार्य जो की अति लघुउत्तरीय प्रकार के होंगे				07	07x2	14
	(b)	8 दीर्घउत्तरीय प्रश्न में से किन्ही 4 का उत्तर दें				04	04x14	56
कुल								70

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- भौगोलिक अध्ययनों की विधियाँ, शोध: शोध का अर्थ,शोध का उद्देश्य, शोध का उत्प्रेरण ।

इकाई 2 :- शोध के प्रकार: व्यावहारिक एवम् मौलिक शोध, संकल्पनात्मक एवम् आनुभविक शोध, विवरणात्मक एवम् विश्लेष्णात्मक शोध, मात्रात्मक एवम् गुणात्मक शोध, शोध उपागम ।

इकाई 3 :- शोध विधियाँ बनाम शोध विधितंत्र, प्राकल्पना, सिद्धांत, नियम और नमूना(मॉडल), शोधधारणा(विचार) एवम् शोध प्रश्न, साहित्य समीक्षा:- शोध का महत्व, शोध अभिकल्प: आंकड़ो का संग्रहण एवम् विश्लेष्ण, विधियों का निर्णयन ।

इकाई 4:- शोध में अभिनव प्रवृत्ति: ई-शोध, प्रतिदर्श अभिकल्प का निर्धारण, शोध निष्कर्ष का प्रस्तुतीकरण, निबन्ध लेखन, प्रतिवेदन और लघु शोध, समझ निर्धारण, वैज्ञानिक शोध पत्रिकाएँ(प्रभाव कारक,उद्धरण), शोध परिणामो का उपयोग, समाजिक शोध में नैतिकता का मुद्दा, अच्छे शोध के आधार, भारत में शोधकर्ताओं द्वारा शोध समस्याओं का सामना।

<u>अनुमोदित विषय सूचि</u> :-

1	Research Methodology	Mishra, R P	Concept Publishing Company, New Delhi
2	Research Methodology	Kothari and Garg	New Age International Publisher, New Delhi
3	Research Methodology in Geography	Mishra and Singh	Rawat Publications, New Delhi
4	Research Methodology in Social Sciences	Kumar, Krishn	K K Publications, New Delhi
5	Application and Role of Statistics in Multi-disciplinary Research	Tiwari, sanjay	K K Publications, New Delhi
6	सामाजिक शोध	अग्रवाल और पाण्डेय	साहित्य भवन , आगरा
7	सामाजिक शोध सिद्धांत एवं व्यवहार	दास, डी के	रावत पब्लिकेशन्स , जयपुर
8	शोध कार्यप्रणाली	कुमार , रंजीत	सेज पब्लिकेशन, नई दिल्ली
9	शोध प्रक्रिया	शर्मा, एस एस	के के पब्लिकेसंस, नई दिल्ली
10	शोध प्राविधि एवं प्रक्रिया	अरोरा, हरीश	के के पब्लिकेसंस, नई दिल्ली
11	भूगोल में शोध प्राविधि	खत्री, एच कुमार	कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
12	Methodology of Social Sciences	Gautam, Vidyapati	K K Publications, New Delhi
13	Technological Invention in media and communication	Kumar, Dibyanshu	K K Publications, New Delhi

पत्र 6

जनसंख्या भूगोल

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

		सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन		
		लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्तिथि	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कुल अंक	20	5	5	30	70		100
2	उत्तीर्णांक	08	04		12	28		40
3	प्रश्नों की संख्या							09(नौ)
4	प्रश्नों का स्वरूप					प्रश्नों की संख्या	अंकों का वितरण	कुल
	(a)	प्रश्न संख्या 1. अनिवार्य जो की अति लघुउत्तरीय प्रकार के होंगे				07	07x2	14
	(b)	8 दीर्घउत्तरीय प्रश्न में से किन्ही 4 का उत्तर दें				04	04x14	56
		कुल						70

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- जनसंख्या भूगोल: विषय क्षेत्र एवम् उद्देश्य; जनसंख्या भूगोल के विकास एक विशेषीकृत अनुशासन के रुप में, जनसंख्या भूगोल एवम् जनसांखियकी विज्ञान, जनसंख्या आंकडों का स्रोत; इनकी विश्वसनियता स्तर एवम् जनसंख्या आंकडों के मानचित्रण की समस्याएँ, प्रमुख देशो की जनगणना प्रक्रियाएँ ।

इकाई 2 :- जनसंख्या वितरण: घनत्व एवम् वृद्धि, विश्व प्रतिरूप एवम् इनके निर्धारक;

भारत: जनसंख्या वितरण, घनत्व एवम वृद्धि परिच्छेदिका, जनसंख्या की गतिशीलता: जनसांखियकीय संक्रमण सिद्धांत, प्रजननता एवम् मर्त्यता का मापन, प्रवास:

जनसांखियकी राष्ट्रीय एवम् अंतराष्ट्रीय प्रतिरूप ।

इकाई 3 :- जनसंख्या संघठन: आयु एवम् लिंग, साक्षरता, धर्म, जाति एवम् आदिवासी, ग्रामीण एवम् नगरीय भारत में व्यवसायिक संरचना, भारत में बेरोजगारी, जनसांखियकीय सिद्धांत: माल्थस, थॉम्पसन, नोटेस्टीन और नव माल्थसीय ।

इकाई 4 :- जनसंख्या और विकास: जनसंख्या संसाधन प्रदेश एवम् जनसंख्या का स्तर एवम् समाजिक आर्थिक विकास, न्यून जनसंख्या, जनाधिक्य एवम अनुकूल जनसंख्या की संकल्पना । भारत की जनसंख्या नीति, जनसंख्या और पर्यावरण, भविष्य हेतु निहितार्थ, जनसंख्या भूगोल में शोध का महत्त्व ।

<u>अनुमोदित पुस्तक सूचि</u> :-

1	Geography Of Population	Chandna, R C	Kalyani Publishers, New Delhi
2	जनसँख्या भूगोल	मौर्य, एस डी	शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
3	जनसँख्या भूगोल	त्रिपाठी, आर डी	वशुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर
4	Population Issues (2017)	Sahoo H (eds)	Rawat Publications, New Delhi
5	Demography: The Science of Population (2017)	Weinstein J & Pillai VK	Rawat Publications, New Delhi
6	Population Health and Environment (2016	Unisa S	Rawat Publications, New Delhi
7	Migration (2015)	Jordon B & Duvell F	Rawat Publications, New Delhi
8	Migration in India: Urbanization, Regional Disparities (’13	Mukherji S	Rawat Publications, New Delhi
9	Population Geography: Tools & Issues (2012)	Newbold KB	Rawat Publications, New Delhi
10	Population Geography	MI Hassan	Rawat Publications, New Delhi
11	जनसंख्या भूगोल	तिवारी, रामकुमार	प्रवालिका प्रकाशन,इलाहाबाद.

पत्र 7

प्रादेशिक भूगोल: भारत एवम् झारखण्ड

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

			सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन		
			लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्थिति	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कुल अंक		20	5	5	30	70		100
2	उत्तीर्णांक		08	04		12	28		40
3	प्रश्नों की संख्या								09(नौ)
4	प्रश्नों का स्वरूप						प्रश्नों की संख्या	अंकों का वितरण	कुल
	(a)	प्रश्न संख्या 1. अनिवार्य जो की अति लघुउत्तरीय प्रकार के होंगे					07	07x2	14
	(b)	8 दीर्घउत्तरीय प्रश्न में से किन्ही 4 का उत्तर दें					04	04x14	56
कुल									70

वर्ग 'अ' भारत

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :-

भौतिक ढांचा एवम् भूगर्भिक रचना, जलवायविक एवम् वानस्पतिक प्रदेश, कृषि - जलवायविक प्रदेश और औद्धोगिक प्रदेश । वृहद प्रदेश:- बदलती रूपरेखा, भूगोल एवम् संघवाद, भारतीय संघवाद, राज्यों का पुनर्गठन ।

इकाई 2 :-

खनिज एवम शक्ति संसाधन, जनसंख्या विकास और पर्यावरणीय अंत:क्रिया, नीतियाँ एवम कार्यक्रम, वृहद/मध्यम/लघु प्रदेशों का विशेष अध्ययन:- (a) मध्य गंगा मैदान (b) छोटानागपुर पठार (c) मालावार (d) राष्ट्रीय राजधानी प्रदेश ।

वर्ग 'ब' झारखण्ड

इकाई 3 :-

प्रादेशीकरण के भौतिक आधार और मानव संसाधन । खनिज संसाधन, कृषि दृश्यभूमि एवम औद्धोगिक प्रदेश का आर्थिक जुड़ाव ।

इकाई 4 :-

जनसंख्या विकास-पर्यावरणीय अंत:क्रिया, नीतियाँ एवम् कार्यक्रम, नगरीकरण, नियोजन एवम् विकास की समस्याएँ ।

पर्यटन: परिस्तिथिक पर्यटन और धार्मिक पर्यटन की समस्याएँ एवम् संभावनाएँ ।

<u>अनुमोदित पुस्तक सूचि</u> :-

1	India: A Regional Geography	Singh, R L Edt	National Geographical Socciety of India, Varanshi
2	India: A Comprehensive Geography	Khullar, D R	Kalyani Publishers, New Delhi
3	An advance Geography of India	Gautam, Alka	Rastogi Prakashan Meerut
4	भारत	चौहान एवं गौतम	रस्तोगी प्रकाशन, मेरठ
5	भारत का भूगोल	श्रीवास्तव , एल	शारदा पुस्तक भवन ,इलाहाबाद

6	भारत का बृहत् भूगोल	बंसल, सुरेश	मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
7	भारत की भौगोलिक समीक्षा	राव एवं त्यागी	वसुंधरा प्रकाशन , गोरखपुर
8	Land and People: Jharkhand	Sinha and Singh	Rajesh Publications, Delhi
9	झारखण्ड प्रदेश की भौगोलिक व्याख्या	सिंह, एस के	राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली
10	झारखण्ड का भूगोल	तिवारी, आर के	राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली
11	छोटानागपुर का भूगोल	शर्मा एवं विक्रम	राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली
12	Geography of India	R Tirtha	Rawat Publications, New Delhi
13	Geography of India	Nag and Sengupta	Concept Publishing Company, New Delhi

पत्र 8

प्रायोगिक पत्र

प्रायोगिक पत्र के पाठ्यक्रम को दो वर्गों में वर्गीकृत किया गया हैं ।प्रायोगिक परिक्षा क्षेत्र कार्य परिक्षा सहित ।

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

		सत्रीय आंतरिक				बाह्य		
		लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्तिथि	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कुल अंक	20	5	5	30	70		100
2	उत्तीर्णांक	08	04		12	28		40

समय : 3 घण्टें

भाग अ कुल अंक= 50

1. भूगर्भिक मानचित्र, काट की बनावट एवम् व्याख्या, जनसंख्या आंकड़ो के मानचित्रण एवम् प्रदर्शित करने की विधियाँ । (10+5)

2. मर्केटर का मानचित्र प्रक्षेप, सिनुसॉयडल प्रक्षेप, गॉल्स का प्रक्षेप, मॉलवीड का प्रक्षेप, अंतराष्ट्रीय मानचित्र का प्रक्षेप । (10+5)

3. भूपत्रक में कोई एक की व्याख्या:- अधिवास, स्थलाकृतियाँ, अपवाह प्रणाली । (10=5)

4. प्रायोगिक नोट बुक एवम् मौखिकी । (5)

भाग ब

5. तलमापक(डम्पी लेवल), षष्टक(sextant), ऐबनी साधनी एवम् भरतीय कलाइनोमीटर, षष्टक के द्वारा तल तथा ऊँचाई मापन, पहाड़ी सतह का ढाल निर्धारण (विभागाध्यक्ष द्वारा आवंटित क्षेत्र) । (10+5)

6. क्षेत्र अध्ययन की विधियाँ:-प्रश्नावली/साक्षात्कार अनुसूचियों की तैयारी । (10+5)

7. परिच्छेदिका:- क्रमबद्ध, आरोपित, प्रक्षेपित, मिश्रित । (10+5)

8. प्रायोगिक रिकॉर्ड एवम् मौखिकी । (5)

<u>अनुमोदित पुस्तक सूचि</u> :-

1	Fundamentalsof Practical Geography	Singh, L R	Sharda Pustak bhawan, Allahabad
2	प्रायोगिक भूगोल	शर्मा, जे पि	रस्तोगी प्रकाशन , मेरठ

3	प्रायोगिक भूगोल के मूल सिद्धांत	सिंह, एल आर	शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
4	Eliments of Practical Geography	singh and Singh	Kalyani Publishers, New Delhi
5	प्रयोगात्मक भूगोल की रुपरेखा	चौहान, पी आर और रामसूरत	वशुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर
6	उच्च कार्टोग्राफी	सिन्हा एवं बाला	शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
7	सर्वेक्षण एवं क्षेत्रकार्य	Punamia	लक्ष्मी प्रकाशन , नई दिल्ली
8	Fundamentals of cartography	Mishra, R P	Concept Publishing Company, New Delhi

समसत्र - 3

पत्र 9

समुद्र विज्ञान

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

		सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन		
		लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्तिथि	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कुल अंक	20	5	5	30	70		100
2	उत्तीर्णांक	08	04		12	28		40
3	प्रश्नों की संख्या							09(नौ)

4	प्रश्नों का स्वरूप		प्रश्नों की संख्या	अंकों का वितरण	कुल
	(a)	प्रश्न संख्या 1. अनिवार्य जो की अति लघुउत्तरीय प्रकार के होंगे	07	07x2	14
	(b)	8 दीर्घउत्तरीय प्रश्न में से किन्ही 4 का उत्तर दें	04	04x14	56
कुल					70

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- समुद्र विज्ञान की प्रकृति एवम् विषय क्षेत्र, समुद्र विज्ञान का इतिहास, महासागरीय बेसीन के उद्भ्व का आधार, समुद्री बेसिन का मुख्य भूस्वरूप ।

इकाई 2 :- समुद्रिक जल का भौतिक एवम् रासायनिक लक्षण (घन्तव, तापमान, लवणता, आदि) महासागरीय धाराएँ, तरंग एवम् ज्वारभाट्टा ।

इकाई 3 :- सामुद्रिक जैविकीय पर्यावरण, जीवों के प्रकार:- प्लावक, तरणशील (नेक्टन), तलवासी, प्रमुख सामुद्रिक पर्यावरण :- तटीय, ज्वारनदमुख, डेल्टा एवम अगाधसागरीय पर्यावरण ।

इकाई 4 :- हिन्द महासागर के उच्चावच, महासागरीय निक्षेप एवम् संसाधन, प्रवाल भित्तियाँ, सामुद्रिक पर्यावरण पर मानव का प्रभाव, जलवायुविक और सुस्तिथिक परिवर्तन ।

<u>अनुमोदित पूस्तक सूचि</u> :-

1	0cenography for Geographers	Sharma and Vatal	Chaitanya Publishing House, Allahabad
2	Essential of Oceanography	Trujillo and Thurman	Pearson Education India
3	Oceanography	Lal, D S	Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
4	जलवायु एवं समुद्र विज्ञान	गौतम , अलका	रस्तोगी प्रकाशन , मेरठ
5	समुद्र विज्ञान	उपाध्याय, डी पी	वशुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर
6	समुद्र विज्ञान	सिंह , सविन्द्र	प्रवालिका प्रकाशन इलाहाबाद
7	Oceanography	Savindra Singh	Pravalika Prakashan, Allahabad

पत्र १०

अधिवास भूगोल

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

			सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन		
			लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्थिति	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कुल अंक		20	5	5	30	70		100
2	उत्तीर्णांक		08	04		12	28		40
3	प्रश्नों की संख्या								09(नौ)
4	प्रश्नों का स्वरूप						प्रश्नों की संख्या	अंकों का वितरण	कुल
	(a)	प्रश्न संख्या 1. अनिवार्य जो की अति लघुउत्तरीय प्रकार के होंगे					07	07x2	14
	(b)	8 दीर्घउत्तरीय प्रश्न में से किन्ही 4 का उत्तर दें					04	04x14	56
कुल									70

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- मानव अधिवास का उद्भव एवम् वृधि, अधिवास उदभव का सिद्धांत, अधिवासों के आकार एवम् वृधि में स्थानिक एवम् कालिक प्रवृतियां, स्थानिक वितरण:- ग्रामिण अधिवासों के प्रतिरूप एवम् प्रकार, सैद्धान्तिक माडल:- निकटतम पड़ोसी और गुरुत्वाकर्षण माडल ।

इकाई 2 :- अधिवास संरचना:- शहरो का आकृतिक संरचना, आनुभविक एवम सैधांतिक मॉडल (वार्गेस, हॉयट, हैरिस एवम् उल्मैन) नगरीय केन्द्रों का कार्यात्मक वर्गीकरण, नगरीय प्रदेश और ग्रामीण नगर संक्रमण क्षेत्र(उपांत) ।

इकाई 3 :- गाँवों के कार्यात्मक वर्गीकरण अधिवास संरचना को प्रभावित करने वाले गतिशील समाजिक, सांस्कृतिक कारक; अधिवास पदानुक्रम, क्रिस्टॉलर एवम् लॉश का सिद्धांत (C.P.T) इनका अधिवास पदानुक्रम में अनुप्रयोग । अधिवास पदानुक्रम में सहायक कारक; केन्द्रीयता एवम पदानुक्रमिक मापन ।

इकाई 4 :- जनसंख्या एवम् मानव अधिवास के मुद्दों के परिपेक्ष्य एवम् नीतियाँ, मानव अधिवास एवम् पर्यावरण के मध्य अंत:क्रिया, समकालीन नगरीय मुद्दें: नगर नवीकरण, नगर फैलाव, गंदी बस्तियाँ, हरीत पट्टी, उपवन नगर, भारतीय गाँव का रुपान्तरण एवम् नियोजन ।

<u>अनुमोदित पुस्तक सूचि</u> :-

1	Introduction to Settlement Geography	Sinha, Sahay and Singh	Rajesh Publications, Delhi
2	Introduction to Settlement Geography	Ghosh , S	Orient Blackswan Publication, Hyderabad
3	Geography of Settlement	Singh, R Y	Rawat Publications, New Delhi
4	Introduction to Rural Settlement	Modal, R B	Concept Publishing Company, New Delhi
5	नगरीय भूगोल	सिन्हा एवं बाला	राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली
6	नगरीय भूगोल	राव एवं शर्मा	वशुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर
7	अधिवास भूगोल	मौर्य, एस डी	शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
8	Origin and Growth of towns	Anal, A K S	Concept Publishing Company, New Delhi

पत्र 11

प्रादेशिक नियोजन एवम विकास (भारत)

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

			सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन		
			लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्थिति	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कुल अंक		20	5	5	30	70		100
2	उत्तीर्णांक		08	04		12	28		40
3	प्रश्नों की संख्या								09(नौ)
4	प्रश्नों का स्वरूप						प्रश्नों की संख्या	अंकों का वितरण	कुल
	(a)	प्रश्न संख्या 1. अनिवार्य जो की अति लघुउत्तरीय प्रकार के होंगे					07	07x2	14
	(b)	8 दीर्घउत्तरीय प्रश्न में से किन्ही 4 का उत्तर दें					04	04x14	56
कुल									70

पाठ्यक्रम सूचि :-

इकाई 1 :- भूगोल में प्रादेशिक संकल्पना, प्रादेशिक नियोजन के गुण एवम् सीमाएँ, विभिन्न प्रकार के विकास उपागम हेतु सीमांकन एवम् उनके नियोजन की उपयोगिता, नियोजन प्रक्रियां: खंडीय, कालिक एवम् स्थानिक आयाम, लघु अवधि एवम् दीर्घ अवधि, परिपेक्ष्य/अनुदृश्य नियोजन ।

इकाई 2 :- प्रदेशों के प्रकार: औपचारिक एवम् कार्यात्मक, समरूप एवम् ग्रंथित, नियोजन के संदर्भ में एकल देशीय एवम् समासिक प्रदेश, भौतिक प्रदेश, संसाधन प्रदेश, विशेष उद्देश्य वाला प्रदेश - नदी घाटी प्रदेश, महानगरीय प्रदेश ।

इकाई 3 :- प्रादेशिक विकास के लिए नियोजन, प्रादेशिक पदानुक्रम, राष्ट्रीय सन्दर्भ में बहुस्तरीय नियोजन, विकेन्द्रीत नियोजन, नियोजन में जन भागीदारी ।

इकाई 4 :- विकास के संकेतक एवम् इनके आँकड़ो का स्रोत, प्रादेशिक विकास एवम् विषमता का बहुस्तरीय मापन: झारखण्ड के विशेष अध्ययन संदर्भ में, भारत में प्रादेशिक विकास समस्या एवम् प्रत्याशा ।

<u>अनुमोदित पुस्तक सूचि</u> :-

1	Regional Planning In India	V.K.Puri and Chand Mahesh	Allied Publishers Limited, New Delhi
2	Introduction to Development & Regional Planning	Ray , Jayasri	Orient BlackSwan, New Delhi
3	Regional Planning and development	Chandna , R C	Kalyani Publishers, New Delhi
4	Urban and Regional Planning in India:	Kulshrestha, S k	SAGE India
5	प्रादेशिक नियोजन एवं विकास	चंदना, आर सी	कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली
6	प्रादेशिक नियोजन एवं संतुलित विकास	श्रीवास्तव, चौहान एवं शर्मा	वशुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर
7	Micro-Level Planning	Bhatt, L S	Rajesh Publications, Delhi
8	Understanding India's New Approach to Spatial Planning and Development	Vidyarthi, Mathur and Agrawal	OUP India
9	English(U K) Regional Planning 2000-2010:	Swain, Marshall and Baden	Routledge India
10	Tribal Health and Nutrition	Chaudhary, S N	Rawat Publications, New Delhi
11	Regional Development and Planning in India	Agrawal and Nath	Concept Publishing Company, New Delhi
12	Regional Development and Planning	Shukla, J	Disha publication, New Delhi

पत्र 12

मानचित्र एवम् सांख्यिकी तकनिक

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप कुल अंक: 100

		सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन		
		लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्तिथि	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कूल अंक	20	5	5	30	70		100
2	सफल अंक	08	04		12	28		40

समय: 6 घण्टें

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- प्रतिदर्श एवम् आँकड़ो के संकलन की विधियाँ, स्रोत, तकनिक एवम् अभिकल्प ।

(15)

इकाई 2 :- क्लाइमोग्राफ, हीदरग्राफ, सम्मानरेखा, वर्णमात्री विधि, पिरामिड आरेख, अर्गोग्राफ, लॉरेंज कर्व, प्रवाह आरेख, निकटतम पड़ोसी विश्लेषण के प्रस्तुतिकरण एवम् व्याख्या ।

(15)

इकाई 3 :- क्षेत्र अध्ययन:- सर्वेक्षण एवम् प्रतिवेदन (विभागाध्यक्ष द्वारा अनुमोदित)

क्षेत्र भ्रमण एवम् प्रतिवेदन (देश का कोई भौगोलिक प्रदेश) । (15)

इकाई 4 :- प्रायोगिक नोट बुक एवम् मौखिकी । (15)

<u>अनुमोदित पुस्तक सूचि</u> :-

1	Fundamentalsof Practical Geography	Singh, L R	Sharda Pustak Bhawan, Allahabad

2	प्रायोगिक भूगोल	शर्मा, जे पि	रस्तोगी प्रकाशन , मेरठ
3	प्रायोगिक भूगोल के मूल सिद्धांत	सिंह, एल आर	शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
4	Eliments of Practical Geography	singh and Singh	Kalyani Publishers, New Delhi
5	प्रयोगात्मक भूगोल की रुपरेखा	चौहान, पी आर और रामसूरत	वशुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर
6	उच्च कार्टोग्राफी	सिन्हा एवं बाला	शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
7	सर्वेक्षण एवं क्षेत्रकार्य	Punamia	लक्ष्मी प्रकाशन , नई दिल्ली
8	Statistical Geography	Alvi,Z	Rawat Publications, New Delhi
9	Advance Practical Geography	Saha and Basu	Books & Allied Ltd
10	Thematic Cartography and Remote Sensing	Nag, P	Concept Publishing Company, New Delhi

समसत्र - 4

(ऐच्छिक/वैकल्पिक पत्र-XIII;XIV&XV और XIV-प्रायोगिक)

पत्र 13

भूगोल का परिस्तिथिक तंत्र एवम संसाधन प्रबंधन

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

			सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन		
			लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्तिथि	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कुल अंक		20	5	5	30	70		100
2	सफल अंक		08	04		12	28		40
3	प्रश्नों को तैयार करने की संख्या								09(नौ)
4	प्रश्नों का स्वरूप						प्रश्नों की संख्या	अंकों का वितरण	कुल
	(a)	प्रश्न संख्या 1. अनिवार्य जो की अति लघुउत्तरीय प्रकार के होंगे					07	07x2	14
	(b)	8 दीर्घउत्तरीय प्रश्न में से किन्ही 4 का उत्तर दें					04	04x14	56
कुल									70

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- परिस्तिथिक तंत्र:- संकल्पना एवम संघटक, परिस्तिथिकीय संकल्पनाएँ, पोषण स्तर, परिस्तिथिकीय पिरामीड, परिस्तिथिकीय निच(स्थान), विभिन्न परिस्तिथिक तंत्रो में आहार श्रृंखला एवम आहार जाल

इकाई 2 :- विश्व के प्रमुख पार्थिव पारितंत्र :-कृषि, वन, घास के मैदान एवम मरुस्थल, जैव विविधता एवम इसका संरक्षण

इकाई 3 :- संसाधनों के संरक्षण एवम प्रबंधन :- अर्थ, संरक्षण, प्रबंधन विधियों की उपागम एवम सिधांत, संसाधनों की दोहन की समस्याएं, संसाधनों का मुल्यांकन एवम नीति निर्माण

इकाई 4 :- संसाधन प्रबंधन के द्वारा परितंत्र का परिरक्षण एवम संरक्षण, पृथ्वी की वहन क्षमता, मानव पर्यावरण सम्बन्ध, मिट्टी, वनों एवम उर्जा संसाधनों के संदर्भ में संसाधनों का उपयोग एवम परिस्तिथिकीय असंतुलन

<u>अनुमोदित पुस्तक सूचि</u> :-

1	Environmental Geography	Singh, Savindra	Pryag Pustak Bhawan, Allahabad
2	Ecology and Environment	Sharma, P D	Rastogi Publication, Meerut
3	Environmental Geography	Gautam Alka	DO
4	Geography of Resources: Exploitation, Conservation and Management	Gautam Alka	Do
5	संसाधन एवं पर्यावरण भूगोल	कौशिक, एस डी एवं गर्ग, कुलदीप	रस्तोगी प्रकाशन , मेरठ
6	पर्यावरण भूगोल	प्रसाद एवं नौटियाल	शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
7	पर्यावरण भूगोल का स्वरुप	सिंह, सविन्द्र	प्रवालिका प्रकाशन , इलाहाबाद
8	संसाधन एवं पर्यावरण	गौतम, अल्का	शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद

या

जैव भूगोल

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- जैव भूगोल के विषय क्षेत्र एवम् विकास, पर्यावरण, आवास और पादप जन्तु साहचर्य, जीवोम प्रकार ।

इकाई 2 :- पादप भूगोल के तत्व, वनों एवम् प्रमुख समुदायों का वितरण, नवीन निर्मित स्थलरुपों में पादप अनुक्रम :- बाढ़ के मैदान एवम् हिमनदी अनावृत क्षेत्रों का उदाहरण ।

इकाई 3 :- जन्तु भूगोल एवम् इनका पर्यावरणीय सम्बन्ध ।

इकाई 4 :- भारत में पुरावानस्पति एवम् पूराजलवायविक परिवर्तन के साक्ष्य/अभिलेख ।

भारत का राष्ट्रीय वन नीति, जैविक संसाधनों का संरक्षण ।

या

मृदा भूगोल

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- मृदा भूगोल की प्रकृति, विषय क्षेत्र एवम् महत्त्व, इनका मृदा विज्ञान से सम्बन्ध,

मृदा निर्माण के कारक: मूल पदार्थ, जैविक तत्व, जलवायविक, भूआकृतिक, स्थानिक-कालिक आयाम, मृदा निर्माण की प्रक्रियाएँ एवम् मृदा विकास: भौतिक, जैविक एवम् रासायनिक मृदा परिच्छेदिका: विकास, कतार/स्तर, मृदा उद्भाविक परिक्षेत्र: पोड़ोजलाइजेशन, लैटराइजेशन, कैल्शिफिकेशन एवम ग्लेइजेशन

इकाई 2 :- मृदावासी जीव, वृहद जंतु (केंचुआ, शूकरकीड़ा, दीमक, कनगोजर, चूहा एवम् कीड़े), सुक्ष्म जन्तु एवम् पौधे, प्रोटोजोआ(सुक्ष्मकृषि), रोटीफर(बहुकोषीय जलीय जंतु), फफूंद, जीवाणु, काई और एक्टिनोमाइसेस ।

इकाई 3 :- मृदा के भौतिक गुणधर्म: आकृतिक बनावट, संरचना, जल, हवा, तापमान एवम् मृदा के अन्य गुणधर्म, मृदा का रासायनिक गुणधर्म एवम् मृदा प्रतिक्रिया, मृदा का वन्शानुगत वर्गीकरण, मृदा प्रदेशों का वर्गीकरण पद्धति, स्थानीय, वाहित एवम् अंतरा-मंडल मिट्टियाँ और विश्व वितरण का प्रतिरूप, मृदा अपरदन, अवक्षरण एवम् संरक्षण ।

इकाई 4 :- मृदा एवम् भूमि का मूल्यांकन: प्राचलित एवम अप्राचलित प्रणाली, भूमि क्षमता का वर्गीकरण, मृदा सर्वेक्षण, आधुनिक तकनिक, मृदा परिच्छेदीका एवम् क्षेत्रीय विशेषताओं का अध्ययन, मृदा उद्धार एवम् प्रबन्धन: पर्यावरण प्रबन्धन में मृदा सर्वेक्षण एवम् स्थलरुप, समेकित मृदा एवम् जल प्रबन्धन, भारत के संदर्भ में मृदा संसाधनो का सतत विकास ।

पत्र 14

पर्यटन एवम् परिवहन भूगोल

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

			सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन		
			लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्थिति	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कुल अंक		20	5	5	30	70		100
2	उत्तीर्णांक		08	04		12	28		40
3	प्रश्नों की संख्या								09(नौ)
4	प्रश्नों का स्वरूप						प्रश्नों की संख्या	अंकों का वितरण	कुल
	(a)	प्रश्न संख्या 1. अनिवार्य जो की अति लघुउत्तरीय प्रकार के होंगे					07	07x2	14
	(b)	8 दीर्घउत्तरीय प्रश्न में से किन्ही 4 का उत्तर दें					04	04x14	56
कुल									70

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- परिवहन भूगोल की प्रकृति, विषय क्षेत्र, महत्त्व एवम विकास, परिवहन तंत्र के विकास से सम्बन्धित भौतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवम् संस्थागत कारक, अभिगम्यता एवम् सम्बद्धता, परिवहन तन्त्र की प्रोधोगिकी एवम प्रादेशिक विकास।

इकाई 2 :- परिवहन नीति एवम नियोजन, विकासशील देशों में परिवहन विकास, नगरीय परिवहन, नगरीय परिवहन की वृद्धि एवम् समस्याएँ, परिवहन एवम् पर्यावरण ह्रास, वहनीय प्रदूषण एवम् संकुलता, भारत के वृहद महानगरों में परिवहन तन्त्र का विकल्प, भारत में राष्ट्रीय उच्चमार्ग के विकास एवम् नियोजन।

इकाई 3 :- पर्यटन का आधार, पर्यटन की परिभाषा, पर्यटन के प्रकार: पारिस्तिथिकीय-नृजातीय, तटीय एवम् साहसिक पर्यटन, राष्ट्रीय एवम् अंतराष्ट्रीय पर्यटन, भूमंडलीकरण एवम् पर्यटन, पर्यटन को प्रभावित करने वाले ऐतिहासिक, प्राकृतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवम् आर्थिक कारक । पर्यटन के प्रेरणादायक कारक: तीर्थयात्रा, फुर्सत, मनोरंजन । पर्यटन उद्योग के तत्व; पर्यटन भूगोल एवम इसका स्थानिक जुड़ाव: प्रादेशिक एवम् स्थानिक आयाम भौतिक, सांस्कृतिक ऐतिहासिक एवम आर्थिक ।

इकाई 4 :- पर्यटन परिपथ- लघु एवम् दीर्घ गंतव्य, भ्रमण संस्थाएं- राष्ट्रीय एवम् अंतराष्ट्रीय, भारतीय होटल उद्योग, पर्यटन के भौतिक, आर्थिक, सामाजिक एवम् बोधात्मक प्रभाव, पर्यटन के सकारात्मक एवम नकारात्मक प्रभाव, पर्यावरणीय कानून एवम् पर्यटन, पर्यटन में वर्तमान प्रवृतियाँ, स्थानिक प्रतिरूप एवम् अभिनव परिवर्तन, विदेशी पूंजी की भूमिका एवम् पर्यटन पर भूमंडलीकरण का प्रभाव।

अनुमोदित विषय सूचि :-

1	The Geography of Transport Systems	by Jean-Paul Rodrigue , Claude Comtois Brian Slack	Routledge India ISBN13: 978-0415354417
2	Transport Geography of India	Raza and Agrawal	Concept Publishing Company, New Delhi
3	Transport Geography	Saxena, H M	Rawat Publications, New Delhi
4	Geography of Transport Development in India	Vaidya, B C	Concept Publishing Company, New Delhi
5	Geography of transportation	Kumar, Naresh	Concept Publishing Company, New Delhi
6	परिवहन भूगोल	कौशिक, देवेश	अर्जुन पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली
7	आर्थिक भूगोल के सरल सिद्धांत	कौशिक, एस डी	रस्तोगी प्रकाशन , मेरठ
8	Tourism In Jharkhand	Prasad and Sarkar	Rajesh Publications, New Delhi

9	An Introduction to the Geography of Tourism	Nelson, Velvet	Rawat Publications, New Delhi
10	Tourism Geography	Geetanjlee	Centrum Press, New Delhi
11	पर्यटन भूगोल	खत्री, एच कुमार	कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
12	पर्यटन एवं यात्रा के सिद्धांत	नेगी, जगमोहन	तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली
13	पर्यटन में भूगोल	शर्मा, संजय कुमार	तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली

या

उर्जा भूगोल

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- परिचय: प्रकृति एवम् विषय क्षेत्र, संकल्पनाएँ, उर्जा संसाधन की परिभाषाएँ एवम् प्रकार, उर्जा प्रणाली।

इकाई 2 :- उर्जा विकास एवम् पर्यावरण: एंट्रोपि की संकल्पनाएँ, उर्जा उपयोग एवम् विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उर्जा उपयोग एवम् पर्यावरण से सम्बन्धित मुद्दें, विकसित एवम् विकासशील देशो का विशेष अध्ययन।

इकाई 3 :- उर्जा की भूराजनीति: उर्जा उत्पादन एवम् उपभोग की वैश्विक पद्धतियाँ, व्यापार से सम्बन्धित मुद्दें, उर्जा संकट एवम् इससे सम्बन्धित विविध संधियाँ एवम् समझौते ।

इकाई 4 :- भारत में उर्जा:- उर्जा की खपत: कृषि, परिवहन एवम् उद्योग के संदर्भ में खंडीय एवम् सामायिक प्रतिरूप । विभिन्न राज्यों के ग्रामीण एवम् शहरी क्षेत्रों के उर्जा उपयोग के स्थानिक प्रतिरूप, महानगरीय शहरों; उर्जा की आवश्यकताएँ एवम् नियोजन :- भारत एवम् अन्य देशों के साथ उर्जा सम्बन्धित समझौते, संस्थागत व्यवस्थाएं, भारत में उर्जा प्रबन्धन की प्रक्रियाएँ एवम् नीति प्रतिमान/प्रतिमान । उर्जा संरक्षण :- विश्व परिपेक्ष्य के भविष्य में उर्जा की समानताएँ एवम् प्रवृतियाँ, उर्जा संरक्षण की विधियाँ, पारम्परिक बनाम आधुनिक; उर्जा प्रबन्धन एवम् सतत विकास, उर्जा संरक्षण के सम्भावित प्रदेश ।

या 14

सामाजिक भूगोल

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- सामाजिक भूगोल की प्रकृति एवम् विकास, सामाजिक भूगोल का दार्शनिक आधार:- प्रत्यक्षवाद, संरचनावाद, उग्रसुधारवाद, मानववाद, उत्तर-आधुनिकवाद एवम् उत्तरसंरचनावाद, सामाजिक विज्ञानों के परिमंडल में सामाजिक भूगोल ।

इकाई 2 :- स्थान एवम् समाज:- समाज एवम् इसकी संरचना एवम् प्रक्रम की समझ; समाज निर्माण के भौगोलिक आधार, सामाजिक भूगोल में सामाजिक सिद्धांत का योगदान, स्थान एवम् पराक्रम सम्बन्ध ।

इकाई 3 :- भारत सामाजिक भूगोल की ओर: सामाजिक विभिन्नता एवम् प्रादेशिक निर्माण, भारत के सामाजिक सांस्कृतिक प्रदेशो का उदभव, सामाजिक प्रदेश के निर्माण का आधार:-प्रजाति, जाति, नृजातियता, धर्म एवम् भाषाओं की भूमिका: भारतीय एकता एवम् विविधता, सामाजिक रूपांतरण एवम् भारत में परिवर्तन ।

इकाई 4 :- समाज कल्याण:- समाज कल्याण की संकल्पना, जीवन के भौतिक गुणवत्ता, मानव विकास, सामाजिक, आर्थिक एवम् पर्यावरणीय संकेतकों के आधार पर मानव विकास का मापन, स्वास्थ्य देखरेख, शिक्षा एवम् आश्रय, महिला एवम् न्यून विशेषाधिकार वाले समूह के साथ भेदभाव के संदर्भ में भारत में ग्रामीण एवम् नगरीय समाज के आधार एवम् प्रतिरूप ।भारत में लोकनीति एवम् सामाजिक नियोजन, पंचवर्षीय योजनओं की समीक्षा एवम् भारत में सामाजिक नीतियों की ओर नियोजन प्रक्रिया । विकास प्रेरक प्रोजेक्ट के सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव निर्धारण ।

आदिवासी, पहाड़ी, सूखा एवम् बाढ़ सम्भावित क्षेत्रों में समाज कल्याण की रणनीति में सुधार।

पत्र 15

नगरीय भूगोल एवम् नियोजन

C.B.C.S स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नों का प्रारूप

			सत्रीय आंतरिक मूल्यांकन				बाह्य मूल्यांकन		
			लिखित	दिन प्रतिदिन मूल्यांकन	उपस्थिति	कुल	सैद्धांतिक	अंकों का वितरण	कुल
1	कुल अंक		20	5	5	30	70		100
2	उत्तीर्णांक		08	04		12	28		40
3	प्रश्नों की संख्या								09(नौ)
4	प्रश्नों का स्वरूप						प्रश्नों की संख्या	अंकों का वितरण	कुल
	(a)	प्रश्न संख्या 1. अनिवार्य जो की अति लघुउत्तरीय प्रकार के होंगे					07	07x2	14
	(b)	8 दीर्घउत्तरीय प्रश्न में से किन्ही 4 का उत्तर दें					04	04x14	56
कुल									70

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- नगरीय भूगोल के आधार, अर्थ एवम् विषय क्षेत्र, नगरीय भूगोल में अभिनव प्रवृतियाँ, नगरीकरण की प्रक्रियाएँ एवम् प्रतिरूप, नगरीय अधिवास की उत्पत्ति एवम् उद्विकास, नगरीकरण के अध्ययन के भौगोलिक उपागम ।

इकाई 2 :- विभिन्न ऐतिहासिक कालों में प्रमुख शहरों की विशेषताएँ:- भारत के संदर्भ में; नगरीय स्थानों की परिभाषा एवम् नगरीय स्थानों के कार्य एवम् आकार के आधार क्षेत्रीय वर्गीकरण, शहरों/कस्बों का कार्यात्मक वर्गीकरण ।

इकाई 3 :- स्थानीयता एवम् मॉडल:- नगरो के आकार एवम् विस्तार, कोटि आकार नियम, अग्रणी/प्राइमेट नगरो का नियम, निकटतम पडोसी विशलेषण , नगरीय प्रदेश, ग्रामीण उपांत, क्रिस्टॉलर एवम् लॉश के केन्द्रीय स्थल सिद्धांत, शहरों की आंतरिक संरचना का सिद्धांत(वार्गेस, हॉयट, हैरिश एवम् उलमैन) ।

इकाई 4 :- नगरीय मुद्दे एवम् नियोजन :- नगरीय पर्यावरण एवम् समस्याएँ, नगरीय गरीबी, गंदी बस्तियाँ, परिवहन, गृह प्रबन्धन, अपराध ।

नगरीय नियोजन का अर्थ एवम् संकल्पनाएँ, नगर नियोजन के संघटक, चंडीगढ़- एक नियोजित शहर, मुख्य योजना(मास्टर प्लान), भारत में नगरीय नियोजन का प्रशासनिक व्यवस्था, नगरीय नियोजन, नगर एवम् राष्ट्रीय नियोजन संगठन(T.C.P.O), नगरीय नियोजन में नवीन प्रवृतियाँ, राष्ट्रीय नगरीय नीति ।

<u>अनुमोदित विषय सूचि</u> :-

1	Urban Geography	Mondal R B	Concept Publishing Company, New Delhi
2	Urban Development in India	Bhattacharya,B	Concept Publishing Company, New Delhi
3	Urbanization in developing Countries	Mohanty, B	Concept Publishing Company, New Delhi
4	Urbanization and Urban Systems in India	Ramachandran, R	OUP, India
5	Urban Growth Theories and Settlement System in India	Markandey and Reddy	Concept Publishing Company, New Delhi
6	Urbanization in India	Ahluwalia, I J	Sage India
7	Indian Cities	Shaw, Annpurna	Oxford University Press, India
8	Cities and Public Policy	Ahluwalia, P	DO
9	Transforming Our Cities	Ahluwalia, I J	Harper Collins, India

10	Handbook of Urbanization in India	Sivaramkrishana, K C	Oxford University Press, India
11	नगरीय भूगोल	सिंह और मौर्य	शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
12	नगरीय भूगोल	सिंह, ओ पी	शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
13	नगरीय भूगोल	रन एवं शर्मा	वशुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर
14	नगरीय भूगोल	सिन्हा एवं बाला	राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली

या

यूरोपीय संगठन

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- परिचय:- यूरोपीय संघ के एकीकरण का इतिहास का संक्षिप्त सर्वेक्षण, यूरोपीय संघ की संस्थाएँ, संसद का परिषद्, यूरोपीय आयोग, न्याय का स्थान(आर्थिक एवम् सामाजिक समिति), यूरोपीय संगठन की समान्य नीतियाँ एवम् इसका कार्यान्वयन ।

इकाई 2 :- प्राकृतिक संरचना :- भौतिक, जलवायविक एवम् जैविक विशेषताओं पर आधारित प्राकृतिक प्रदेश, प्रदुषण एवम् मानव अधिवास:- आकार, संरचना एवम् संघटन, जनसंख्या गतिशीलता, नगरीकरण एवम् प्रवास।

इकाई 3 :- संसाधन एवम् अर्थव्यवस्था:- प्राकृतिक संसाधन खनन, कृषि, उद्योग, पर्यटन, व्यापार एवम् परिवहन क्रियाएँ:- इनके स्थानिक एवम् कालिक भिन्नताएँ ।

इकाई 4 :- प्रादेशीकरण एवम् प्रादेशिक विकास:- प्रादेशीकरण के सामाजिक-आर्थिक एवम् सांस्कृतिक आयाम, प्रादेशिक विकास के संदर्भ में अलग-अलग देशों की भौगोलिक रुपरेखा, यूरोपीय संघ की एशियाई देशों में सामान्य एवम् भारत में विशेष भूमिका ।

या

राजनीतिक विज्ञान

<u>पाठ्यक्रम सूचि :-</u>

इकाई 1 :- राजनीतिक भूगोल की प्रकृति, विषय क्षेत्र, विषय वस्तु एवम् अभिनव विकास ; अध्ययन का उपागम ।

इकाई 2 :- राज्य के भौगोलिक तत्व :- भौतिक तत्व, मानव तत्व, आर्थिक तत्व, राजनीतिक तत्व एवम् पर्यावरणीय अंतः क्रिया ।

इकाई 3 :- राजनीतिक भूगोल में विषय वस्तु :- राज्य, राष्ट्र, राष्ट्र-राज्य एवम् राष्ट्र निर्माण,

सीमांत एवम् सीमाएँ, उपनिवेशवाद, संघवाद एवम् सरकार के अन्य प्रारूप, विश्व शक्ति के प्रतिरूप के परिपेक्ष्य में केन्द्र परिधि संकल्पना, संघर्ष एवम् सहयोग ।

इकाई 4 :- हिन्दमहासागर का भूराजनीतिक महत्त्व :- किसी एक का राजनीतिक भूगोल :- दक्षेष प्रदेश, द.पूर्वी एशिया, प.एशिया, पूर्वी एशिया, यूरोपीय संघ ।

सामाजिक भारत के विशेष सन्दर्भ में राजनीतिक भूगोल :- भारत के बदलते राजनीतिक मानचित्र, एकता एवम् विविधता, अभिकेन्द्रीय एवम् अपकेन्द्रिय शक्तियाँ । स्थिरता एवम् अस्थिरता, अन्तर्राज्यीय मुद्दें (जल प्राप्ति के मुद्दें एवम् नदीतटीय दोहण) और संघर्ष संकल्पना, सीमावर्ती राज्यों में विद्रोह ।

नवीन राज्यों का आविभार्व, संघीय भारत, अनेकता में एकता ।

पत्र 16

विभाग में पढ़ायें जा रहे चयनित/वैकल्पिक पत्रों पर प्रोजेक्ट (प्रकल्प)

कुल अंक : 100

समय : 6 घण्टें

इकाई 1 :- प्रायोगिक विषयों पर यात्रा भ्रमण/ प्रोजेक्ट का प्रतिवेदन का अध्ययन:- किसी प्रदेश के पारितंत्र एवम् संसाधन के विकास पर मानव क्रियाओं का प्रभाव (विभागीय परिषद् द्वारा अनुमोदित)। (25)

इकाई 2 :- किसी प्रदेश के पर्यटन एवम् परिवहन से सम्बन्धित विषय पर एक अध्ययन भ्रमण / प्रोजेक्ट(प्रकल्प) का प्रतिवेदन (विभागीय परिषद द्वारा अनुमोदित)। (25)

इकाई 3 :- शहर या कस्बा के नगरीय मुद्दों पर प्रोजेक्ट प्रतिवेदन का अध्ययन (विभागीय परिषद द्वारा अनुमोदित)। (25)

इकाई 4 :- मौखिकी । (25)

<u>अनुमोदित पुस्तक सूचि</u> :-

1	रिसर्च प्रोजेक्ट करने के आवश्यक निर्देश (अनुवादित)	जिना ओ लियरी	सेज/ भाषा नई दिल्ली